... वर्ण-संयोग तथा अलग-अलग करने को वर्ण-विच्छेद कहते हैं।

18/6/21 व्याकरण पाठ-2 वर्ण-विचार

प्रश्न और अभ्यास

1. **निम्नलिखित वाक्यों में से सही के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (×) का निशान लगाइए–**
   - (क) वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई होती है। ✓
   - (ख) ह्रस्व स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वर से आधा समय लगता है। ✓
   - (ग) 'आ' स्वर की कोई भी मात्रा नहीं होती। ×
   - (घ) अनुस्वार का उच्चारण नाक और मुँह दोनों से होता है। ×
   - (ङ) उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के दो भेद होते हैं। ✓

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरों के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर कोष्ठक में लिखिए–**

   (क) ह्रस्व स्वरों की कुल संख्या कितनी होती है?

   ✓(अ) चार (ब) छह

   (स) सात (द) एक

   सही उत्तर (अ ....)

   (ख) निम्नलिखित में से 'मूल स्वर' किसे कहा जाता है?

   ✓(अ) ह्रस्व स्वरों को (ब) दीर्घ स्वरों को

   (स) प्लुत स्वरों को (द) स्पर्श व्यंजनों को

   सही उत्तर (अ ....)

Scanned by TapScanner

(ग) कवर्ग, चवर्ग आदि प्रत्येक वर्ग के वर्णों की कुल संख्या कितनी होती है?

(अ) चार ✓(ब) पाँच

(स) छह (द) ग्यारह सही उत्तर (......ब......)

(घ) निम्नलिखित व्यंजन-समूह में किस समूह के सभी व्यंजन अल्पप्राण हैं?

(अ) प्, भ्, ह (ब) च्, त्, ष

(अ) घ, ण्, म ✓(द) क्, ज्, य् सही उत्तर (......द......)

(ङ) निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द शुद्ध वर्तनी का है?

(क) पैत्रिक ✓(ब) त्योहार

(स) रूपया (द) बिमारी सही उत्तर (......ब......)

3. उचित शब्दों द्वारा निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) उच्चारण के आधार पर ~~शब्दों~~ वर्णों के ......दो...... भेद होते हैं।

(ख) ऊष्म व्यंजनों की कुल संख्या ......चार...... होती है।

(ग) चवर्ग के व्यंजनों का उच्चारण स्थान ......तालु...... है।

(घ) वर्ण या शब्द के व्यंजन और स्वर को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।

(ङ) त, थ, द, ध, न से पहले आए अनुस्वार का उच्चारण ......न्...... की तरह होता है।

4. निम्नलिखित वर्णों के सामने उनके उच्चारण स्थान का नाम लिखिए–

	वर्ण	उच्चारण स्थान		वर्ण	उच्चारण स्थान
(क)	छ्	तालु	(च)	ओ	कंठ-ओष्ठ
(ख)	ह्	कंठ	(छ)	स्	दंत
(ग)	ग्	कंठ	(ज)	ष्	मूर्धा
(घ)	च्	तालु	(झ)	ई	तालु
(ङ)	त्	दंत	(ञ)	श्	तालु

5. निम्नलिखित वर्णों का संयोग करके शब्द बनाइए–

(क) र् + आ + म् + आ + य् + अ + ण् + अ ......रामायण......

(ख) क् + अ + म् + प् + अ + न् + अ ......कंपन......

(ग) त् + य् + ओ + ह् + आ + र् + अ ......त्योहार......

(घ) स् + व् + अ + स् + थ् + अ ......स्वस्थ......

(ङ) श् + र् + ई + म् + आ + न् + अ ......श्रीमान......

6. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) परीक्षा ......प् + अ + र् + ई + क् + ष् + आ......

(ख) घनिष्ठ ......घ् + अ + न् + इ + ष् + ठ् + अ......

(ग) संवाद ......स् + म् + अ + व् + आ + द् + अ......

(घ) बुद्धि ......ब् + उ + द् + ध् + इ......

(ङ) अतिथि ......अ + त् + इ + थ् + इ......

Scanned by TapScanner

7. **निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–**

(क) परिवारिक पारिवारिक

(ख) पूज्यनीय पूजनीय

(ग) श्रीमति श्रीमती

(घ) कवियत्री कवयित्री

(ङ) उत्तरदाई उत्तरदायी

(च) श्रंगार श्रृंगार

(छ) त्यौहार त्योहार

(ज) बिमार बीमार

(झ) पैत्रिक पैतृक

(ञ) अतिथी अतिथि

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) स्वर किसे कहते हैं? इसके भेदों के नाम लिखिए।

उ०!- जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं ली जाती, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वर के तीन भेद हैं – (i) ह्रस्व स्वर (ii) दीर्घ स्वर (iii) प्लुत स्वर।

(ख) व्यंजन किसे कहते हैं? इसके भेदों के नाम लिखिए।

उ०!- जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। व्यंजन के तीन भेद हैं – (i) स्पर्श व्यंजन (ii) अंतःस्थ व्यंजन (iii) ऊष्म व्यंजन।

(ग) ऊष्म व्यंजन किसे कहते हैं? इनकी संख्या कितनी है? लिखिए।

उ०!- जिन व्यंजनों के उच्चारण के समय श्वास वायु मुख में तीव्र गति से रगड़ खाने के कारण ऊष्मा पैदा करती हुई बाहर निकलती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। ये चार हैं– श, ष, स, ह।

(घ) संयुक्त व्यंजन और संयुक्त अक्षर में क्या अंतर है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उ०!- दो या दो से अधिक व्यंजनों के मेल से बने व्यंजनों को संयुक्त व्यंजन कहते हैं जबकि दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने अक्षरों को संयुक्ताक्षर कहते हैं। जैसे- क्ष (संयुक्त व्यंजन), विद्या (संयुक्ताक्षर)।

(ङ) वर्ण संयोग किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उ०!- वर्णों के परस्पर मेल को वर्ण-संयोग कहते हैं। जैसे- त् + य = सत्य।

(च) अल्पप्राण और महाप्राण व्यंजन में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

उ०!- अल्पप्राण व्यंजनों के उच्चारण में कम श्वास वायु का प्रयोग होता है जबकि महाप्राण व्यंजनों के उच्चारण में अधिक श्वास वायु का प्रयोग होता है। जैसे – क्, ग्, ङ् (अल्पप्राण), ख्, घ् (महाप्राण)।

Scanned by TapScanner